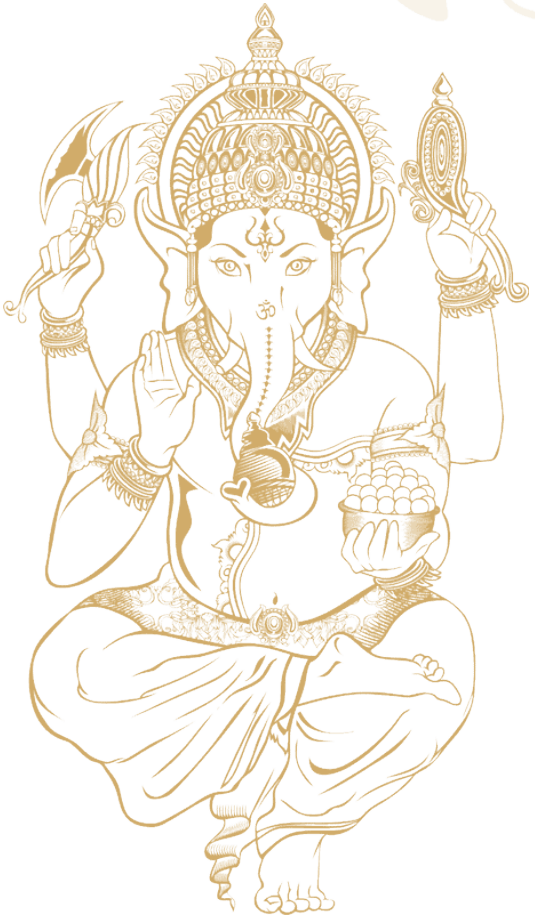

Mr. Vijay Sharma

14 Oct 1972

02:30 AM

Kota

Model: web-freekundliweb

Order No: 119784402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13-14/10/1972**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	50:15:58 घटी
स्थान	**Kota**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:11:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:03:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:45 घंटे
साम्पातिक काल	03:33:54 घंटे
सूर्योदय	06:23:36 घंटे
सूर्यास्त	18:00:54 घंटे
दिनमान	11:37:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	27:08:17 कन्या
लग्न के अंश	03:44:47 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	03:44:47	318:58:56	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	27:08:17	00:59:27	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			धनु	08:38:28	11:56:47	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	14:52:03	00:38:57	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
बुध			तुला	13:13:28	01:29:39	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
गुरु			धनु	08:37:56	00:08:18	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	स्वराशि
शुक्र			सिंह	16:21:38	01:09:57	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
शनि	व		वृष	27:00:05	00:01:14	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		धनु	27:48:12	00:01:29	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	27:48:12	00:01:29	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	नीच राशि
हर्ष			कन्या	25:20:43	00:03:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
नेप			वृश्चि	09:57:28	00:01:46	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	09:08:06	00:02:12	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	02:19:42	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:28:52

लग्न-चलित

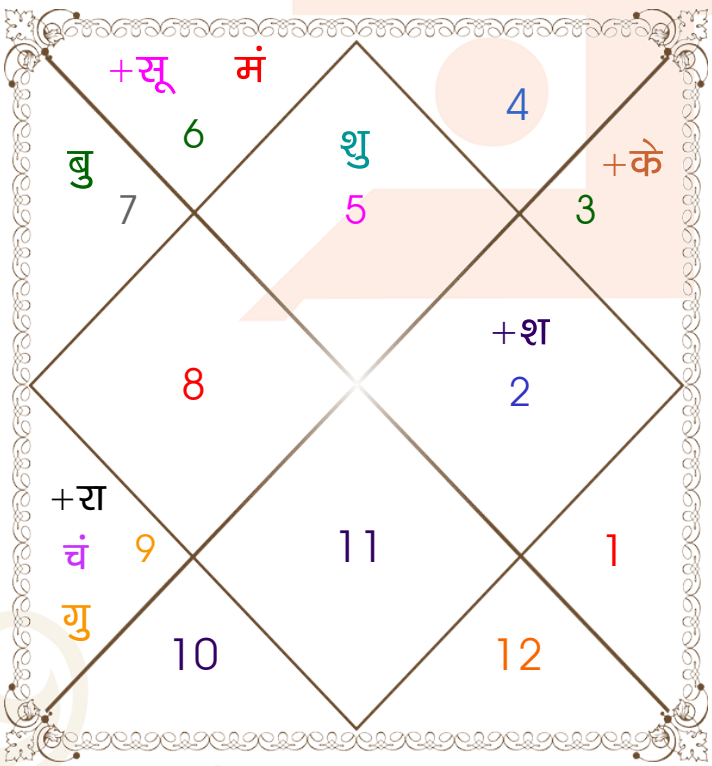

चन्द्र कुंडली

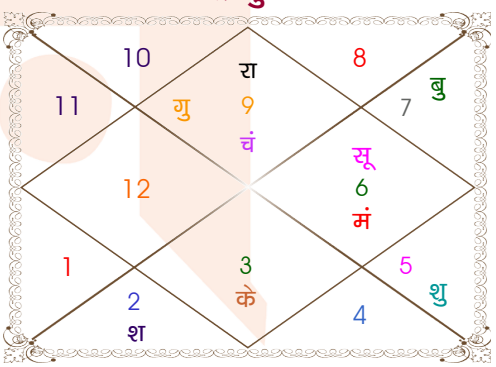

नवमांश कुंडली

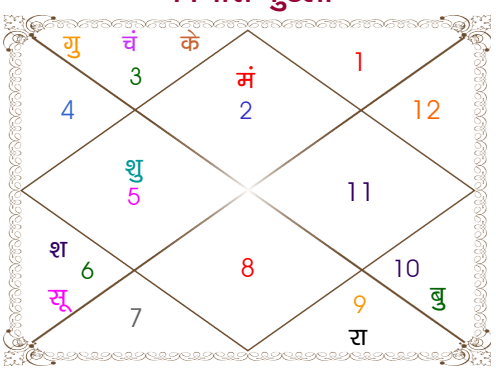

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 5 मास 17 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
14/10/1972		01/04/1975		01/04/1995		01/04/2001		01/04/2011	
01/04/1975		01/04/1995		01/04/2001		01/04/2011		01/04/2018	
	00/00/0000	शुक्र	01/08/1978	सूर्य	20/07/1995	चंद्र	30/01/2002	मंगल	29/08/2011
	00/00/0000	सूर्य	01/08/1979	चंद्र	19/01/1996	मंगल	31/08/2002	राहु	15/09/2012
	00/00/0000	चंद्र	01/04/1981	मंगल	25/05/1996	राहु	01/03/2004	गुरु	22/08/2013
	00/00/0000	मंगल	01/06/1982	राहु	19/04/1997	गुरु	01/07/2005	शनि	01/10/2014
	00/00/0000	राहु	01/06/1985	गुरु	05/02/1998	शनि	30/01/2007	बुध	28/09/2015
	14/10/1972	गुरु	31/01/1988	शनि	18/01/1999	बुध	01/07/2008	केतु	24/02/2016
गुरु	23/02/1973	शनि	01/04/1991	बुध	25/11/1999	केतु	30/01/2009	शुक्र	25/04/2017
शनि	04/04/1974	बुध	30/01/1994	केतु	01/04/2000	शुक्र	01/10/2010	सूर्य	31/08/2017
बुध	01/04/1975	केतु	01/04/1995	शुक्र	01/04/2001	सूर्य	01/04/2011	चंद्र	01/04/2018

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/04/2018		01/04/2036		01/04/2052		01/04/2071		01/04/2088	
01/04/2036		01/04/2052		01/04/2071		01/04/2088		00/00/0000	
राहु	12/12/2020	गुरु	20/05/2038	शनि	04/04/2055	बुध	28/08/2073	केतु	28/08/2088
गुरु	08/05/2023	शनि	30/11/2040	बुध	13/12/2057	केतु	25/08/2074	शुक्र	28/10/2089
शनि	14/03/2026	बुध	08/03/2043	केतु	21/01/2059	शुक्र	25/06/2077	सूर्य	05/03/2090
बुध	30/09/2028	केतु	12/02/2044	शुक्र	23/03/2062	सूर्य	02/05/2078	चंद्र	04/10/2090
केतु	19/10/2029	शुक्र	13/10/2046	सूर्य	05/03/2063	चंद्र	01/10/2079	मंगल	02/03/2091
शुक्र	19/10/2032	सूर्य	01/08/2047	चंद्र	03/10/2064	मंगल	27/09/2080	राहु	19/03/2092
सूर्य	12/09/2033	चंद्र	30/11/2048	मंगल	12/11/2065	राहु	17/04/2083	गुरु	14/10/2092
चंद्र	14/03/2035	मंगल	06/11/2049	राहु	18/09/2068	गुरु	22/07/2085		00/00/0000
मंगल	01/04/2036	राहु	01/04/2052	गुरु	01/04/2071	शनि	01/04/2088		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 5 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति के प्राणी है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते है। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।